

মসজিদের গুরুত্ব ও মুসল্লিদের দায়িত্ব

gɣvɑ̃ʂ Awi di iŋvb i vɤk`

gmwR` Avix kǎ| سجد ক্রিয়াপদ থেকে উদ্ভূত ।
gmwR` ktāi A_ wR`v Kivi vb| kwīqtZi
cwī fvlvq th Nti mwšj Zfvte mvj vZ Av`vq Kiv nq
ও আল্লাহর ইবাদতের জন্য নির্মাণ করা হয় তাকে মসজিদ
ejv nq| cŭg bex nhiZ Av`g Avj vqnm& mvj vq
cw_extZ AeZiY Gi cŭg j tMeme`cŭg gmwR`
wntmte Kvev Ni `Zwi Kiv nq| Gici ntZ AvR chš
wektj wevfbœRvqMvq gmwR` cŭZôv ntq AvmtQ| G
পৃথিবীতে একমাত্র আল্লাহর বন্দেগীর জন্য স্থায়ীভাবে
wbawī Z l wlvqZ Ni nj gmwR`| G_tj tK nv xm
kixf আল্লাহর ঘর হিসেবে আখ্যায়িত করা হয়েছে ।
nv`xtm ewYZ ntqŭ0-হযরত আবদুল্লাহ ইবনে মাসউদ
রাদিয়াল্লাহু তা`আলা আনহু থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন,
হযুর সাল্লাল্লাহু তা`আলা আলায়হি ওয়াসাল্লাম বলেছেন
পৃথিবীর মসজিদগুলো নিঃসন্দেহে আল্লাহর ঘর ।
এগুলোতে যারা আল্লাহর সাক্ষাতে গমন করে Zfv`i tK
সম্মানিত করা আল্লাহ তা`আলা নিজের উপর কর্তব্য
wntmte MY` Kti tŭb| [Zeiwbx kixd]
nhiZ আবু হুরায়রা রাদিয়াল্লাহু তা`আলা আনহু হতে
বর্ণিত, রাসূল সাল্লাল্লাহু তা`আলা আলায়হি ওয়াসাল্লাম
বলেছেন জনপদসমূহের মধ্যে মসজিদ আল্লাহর কাছে
meŭak wŭŭ Ges evRvi mgn Zvi Kvŭ0 Acŭ`bxq|
[ZiZiqwb kixd]

প্রখ্যাত সাহাবী হযরত আবু দারদা রাদিয়াল্লাহু তা'আলা আনহু হতে বর্ণিত, হজুর সাল্লাল্লাহু তা'আলা আলাইহি ওয়াসাল্লাম এরশাদ করেছেন-gmWR` ,tjv AwLixZi বাজারগুলো হতে একটি বাজার। যে মুসল্লী এ ঘরে প্রবেশ করবে সে আল্লাহর মেহমান।

nhi Z Avey ùivqit রাহিয়ালাহ তা'আলা আনহু হতে
বর্ণিত, হযরত করিম সাল্লাল্লাহু তা'আলা আলায়হি
ওয়াসাল্লাম এরশাদ করেছেন- tZvgiv hLb tētnktZi
evMtib cōek Kiṭe dj mḡa AvniY Ki | wRÁvmv Kiv
হল ওহে আল্লাহর রাসূল, বেহেশতের বাগান কোনটি?
উত্তরে আল্লাহর রাসূল বললেন, মসজিদসমূহ। পুনরায়
wRÁvসা করা হল ফলসমূহ কি? উত্তরে আল্লাহর রাসূল
বললেন, সুবহান্লাহি ওয়াল হামদ লিল্লাহি ওয়াল্লা ইলাহা

ইল্লাল্লাহু ওয়াল্লাহু আকবর । এ তাসবীহ্ হল পৃথিবীতে
 ʔɛʔnkʔZi dʒgʃ ʔʔɕ [ɪʒɪŋɪh kiɪd]
 ʊɒʔ iɪmj Aʔiv Gikv̞ ʔʔiɪb, hLb ʔʔvgv̞ʔ i ʔʔKD
 gmɪRʔ ʔʔɛk Kiʔe Zʔe ʔm ʔhb G ʔʔvqɪɪ ʔʔɔ
 اللهم افتح لى ابواب رحمتك Avi hLb gmɪRʔ ʔʔʔK
 ʔei nq ZLb ʔhb ɛʔʔ ʔʔ ʔʔʔʔ ʔʔ ʔʔʔʔ
 اللهم انى اسئلك من فضلك

gmR` wbg@Yi ,i"Z;

gmR' Bev tzi cOYtK' q gmR' wbgY eü
ফজিলত রয়েছে। হুযর সাল্লাল্লাহ তা'আলা আলায়হি
ওয়াসাল্লাম নিজে মসজিদ নির্মাণে অংশগ্রহণ করেছেন এবং
gmj gwb' i tK Gi cÜZ DÖK Kti tQb| wZwb Gikv'
Kti tQb-tj vK t' Lvtbv wKsev mpvg AR'bi Di t k'
ব্যতীত কেউ যদি মসজিদ নির্মাণ করে। তবে আল্লাহ
ZvAvj v Zvi Rb' RvbZ Ni 'Zwi Ki tēb|
সুতরাং খালিস নিয়তে আল্লাহর সন্তুষ্টির জন্য হালাল
DcvR' w' t q gmR' wbgY Ki tZ nte|

gmwR† Rgv0Av†Zi i"Zi

Bmjv tG RvgvAvZ bvgvR cōvī cōZ LpB tRvi
 † lqv ntqtQ Ges Gi mvlqel AwAk | cjt l† i
 RvgvAvZ mnkvti bvgv h Av vq Kiv mptZ
 ggv° v vnq webv Kv tY GKevi l RvgvAvZ eRkvix
 kw li DcthvMx |

হযরত আবদুল্লাহ্ ইবনে ওমর রাঃিয়াল্লাহু তা‘আলা আনহু
 †_†K বৰ্ণিত, হযূর সাল্লাল্লাহু তা‘আলা আলায়হি ওয়াসাল্লাম
 e†j †Qb, RgvAvZ mnKv†i bvgvR Av`vqKvix GKvKx
 covi ††q mivZk ,Y teuk| [e†vix I gmyij g kixd]
 ewYZ Av†Q, th e`† me†v cu† lqv† bvgvR
 জামা‘আত সহকারে পড়তে থাকে। আল্লাহ্ তা‘আলা তাকে
 cu†W †Rb†m `vb Kiteb| 1. Zvi Afve `ixfZ
 Kiteb, 2. Kei Avhve †_†K †bivc` ivLteb, 3.
 †Kqv†Z†i †`b Zvi Avgj bvgv Wvb n†Z †`l qv n†e,
 4. `Z cj †mivZ cvi n†q hv†e, 5. webv †miv†e
 Rv†v†Z c†ek Kiteb|

mZivs Ae!nj v br Kti RgvAvZ mnKv!i bvgvR Av`vq
Kti mvlqv!ei fvEvi mgx Ki!Z m!Pó nlqv
`iKvi |

gmwRt` KvZvti i ,i"Zi

th tKwb bvgvRi RvgvAvtZi c0_g KvZvi w0Zxq
KvZvi t_tK DEg| Avi w0Zxq KvZvi ZZxq KvZvi
t_tK DEg| mnx ejvix kixd l gmvij g kixd উল্লেখ
আছে, হযরত আবু হুরায়রা রাযিয়াল্লাহু তা'আলা আনহু
থেকে বর্ণিত, নবী করীম সাল্লাল্লাহু তা'আলা আলায়হি
ওয়াসাল্লাম এরশাদ করেছেন, যদি লোকে জানত আযান ও
KvZvti mK mvlqve Zte tm gnftZviv GUv ARftb
j Uwi i e'e v KiZ Ges tKd j Uwi Qrov GUv ARftb
KiftZ cviZ bv| নহরত আবু উমামা রাযিয়াল্লাহু তা'আলা
আনহু থেকে বর্ণিত, হযূর করিম সাল্লাল্লাহু তা'আলা
আলায়হি ওয়াসাল্লাম এরশাদ করেন, আল্লাহ ও তার
tdtikZvMY `if tc0Y Ktib c0_g KvZvtii Dci
সাহাবীগণ জিজ্ঞাসা করেন ইয়া রাসূলাল্লাহু দ্বিতীয়
KvZvtii Dci? imj ejtjb, w0Zxq KvZvtii
Dci `i` ingZ tc0Y Ktib|

উল্লিখিত আলোচনা দ্বারা বুঝা যায় জামাআতের প্রথম
 KvZvtii ghPv tewk| G Rb" cŭg KvZvtii ~vt
 cvl qvi Rb" h~mva" tPŏv KiŹ nte| hZŹY cŭg
 KvZvti GK Rbtii RvqMv Lwuj ~vtK ZZŹY chŹ
 2q KvZvi ii" bv Kiv DnPZ| cŭg mgq t~Lv hvq
 cŭg KvZvti RvqMv ~vKv mŹĖi AvgvŹi AŹbtK
 Aetnjvi KvŹY tCŹbi KvZvti cŹo ~vtK| GUv
 উল্লেখিত হাদীসের সম্পর্গ বিপরীত ।

gmwRf` _vKv-LvI qv cñt½

BwZKvtdi w bqZ Qvov gmiRt` ivZ hvcb Kiv I tKvb
wKQyLvl qv wbtla| eZGvfb Bjw qvOx Zvej xM RvgrtZi
tj vKiv gmiRt` thfvte Ae`vb I Lvl qv`vl qv Kti
Zv Bjwvg wfvivax| G e`vcti Bvgg gpmw/4b I
মুসল্লীদের সজাগ সচেতন ভূমিকা রাখা দরকার। বদ
AvKp`v tcvlYKvix Zej xMx I qvnvexiv`vl qvtZi bvtg
gmiR`tK wbaftY Kti tQ| diR bvgvRi ci
tKvbgfZ Zvovvov Kti mpeZ`jivKvZ Av`vq Kti
Avi tKvb Ber`tZi avti Kv tQ bv wltq wKfvte
gvbvtK dmvijt`q`tj wfovbtv hte tm avUvq tj tM
hvq| th tj vKuv Fij fvte Kv tgv cotZ cvti bv tml
Zt`i`e v tK I qvR Kti| Zi`Y, h pK, ex wgvijt`q
AvevmK tnvUtji gZ gmiRt` ivZ hvcb Kti,
tKwUtbi gZ ivbte Kti Lvl qv`vl qv Kti| tMvmtj i
Kico চাপড় মসজিদে শুকাতো দিয়ে আল্লাহর ঘরের
Av`e bó Kti| gmiRt`i Avmeve cI cwlb, we`yr I
M`vm BZ`w` A`wefvte e`envi Kti| GtZKvtdi K_v
etj gmiRt` Ae`vb tbq A_P GtZKvtdi tKvb kZ[©]
gvfb bv| gmiRt` Zt`i msvMvwbK KvR Pjv vq I
খাওয়া দাওয়া করে আর ঘুমায়। চিল্লা ও তাবলীদে
hvl qvi Rb` thfvte gvbtK DrmwvZ Kti tmfvte
মিলাদুন্নবী সাল্লাল্লাহু তা`আলা আলায়হি ওয়াসাল্লাম,
Avi iv w em, kte eivZ, kte K`i, kte wgivRmn
Ab`vb` agvfti w e tm tKvb`i`Zi t`q bv ev G_vtjvi
e`vcti tKvb cPvi Yv Pjv vq bv| G ai tbi envZj
ফেরকার নোহরামী থেকে আল্লানি Ni gmiRt`i cweI Zv
রক্ষা করা মসজিদের মুসল্লী ও মসজিদ কমিটির ঈমানী
`wqZj| Zte cw_K ev gmiwidi Ber`tZi w bqZ I
BwZKvtdi w bqZ mnKvti gmiRt` Ae`vb KitiZ
cite|

gmwRf` `ybvex K_v ej v

মসজিদ একমাত্র আল্লাহর ইবাদতের জন্য নির্মাণ করা
 nq| mZivs gmuRt` `ybqvex K_v ejv A%ea|
 gmuRt` `ybqvex K_v ejv t_tK weiZ _vKvi Rb` wct
 রাসূল সাল্লাল্লাহু তা'আলা আলায়হি ওয়াসাল্লাম সতর্কবাণী
 w_tqtQb| thqb -

নবী করিম সাল্লাল্লাহু তা'আলা আলায়হি ওয়াসাল্লাম
etj tQb, th e^{w3} cUP RvqMvq `wbavex K yevZ^{pe}je te

আল্লাহ্ তা'আলা তার চল্লিশ বছরের ইব্রাহিমকে Kti
t' te| 1. gmmRt', 2. tKviAvb tZj vl qvZi mgq 3.
Avhvbi mgq, 4. eRM[©]Awjgt' i 'evtK, 5. Kei
vhqvitiZi mgq|

সুতরাং উপরে উল্লিখিত পাঁচ স্থানে দুনিয়াবী কথাবার্তা
t_tK weiz_vKv cZK'K gvgtbi GKvS'KZE"|

মসজিদে মুসল্লিদের দায়িত্ব ও কর্তব্য

gmmR' wbgfY gmmR' iYvteY, Bvgv I LwZe
নির্বাচন, মসজিদের মর্যাদা রক্ষা ইত্যাদি বিষয়ে মুসল্লিদের
রয়েছে দায়িত্ব ও কর্তব্য। সংক্ষেপে মসজিদের মুসল্লিদের
দায়িত্ব ও কর্তব্য উল্লেখ করা হল।

1. mefe_vq gmmR' cweI ivLv| tKvb cKvi 'M
thb bv nq tmw_tK tLqv ivLv, 2. BtZKvd e_ZxZ
gmmRt' tKvb wKQy bv LvIqv, 3. cwi_vv cwi'Qbæ
Kvco cwiavb Kti cweI Ae_vq gmmRt' Avmv, 4.
gmmRt' cdek Kti emvi cte' iKvZ bdj bvgvR
Av_vq Kiv, 5. wbgvgZ cuP Iqv³ RvgvAvtZ Dcw_Z
nlqv, 6. AhvKivi ci Ahj cwbi tduLv gmmRt' bv
tdjv, 7. imp I tcqvR RvZxq tKvb wKQy tLq
gmmRt' bv hvlqv, 8. gmmRt' t'Sov-t'Sio ev tRvti
nuLv-Pjv bv Kiv, 9. GjvKvi Rvtg gmmRt' RgvAvi
RvgvAvZ Av_vtqi e'e_v Kiv| Rgvv w'b Avhvb i'bvi
ci hveZxq 'ybgvwe KvR cwiZ_vM Kti gmmRt'

hvlqv, 10. RgvAvi Lrev gbthvM mnKviti i'bv, 11.
gmmRt' Lrev I mvjvZ Av_vq Kiv| evKx mgq wbtgæ
তাসবীহ পড়া, সুবহানাল্লাহি ওয়ালহামদু লিল্লাহি ওয়ালা
ইলাহা ইল্লাল্লাহ্ আল্লাহ্ আকবার, ১২. মসজিদে থুথু না
tdjv, tKvb gqv t'Ltj 'i Kiv, 13. gmmRt' i
wfZi t_tK c_Pvixi mv_t_PrKvi w'tq K_v bv ejv,
14. Atb'i mvjvZi Ampeav ntZ cvti Ggb K_v bv
ejv I KvR bv Kiv, 15. gmmRt' cdek mgq cdtg
Wvb cv Ges tei nlqv mgq cdtg evg cv ivLv, 16.
gmmRt' cv tUtb bv emv, t'v Rvby ntq emv, 17.
মসজিদে মারামারি, হৈ হুল্লোড় না করা, ১৮. অবুবা শিশু ও
cvMj ntZ gmmR' gy³ ivLv, 19. gmmRt'
Ae_vbKvjxb bdj BtZKvtdi wbtqZ_vKv|

উল্লিখিত আলোচনা থেকে প্রতীয়মান হয় পৃথিবীর
মসজিদসমূহ আল্লাহর ঘর। এর আদব ও পবিত্রতা রক্ষা
করা মুসল্লীর একান্ত কর্তব্য। মসজিদের আদাব, সম্মান ও
মর্যাদা রক্ষায় মনে রাখা দরকার এটা আল্লাহর ঘর।
tetnkZi evMvb| Gi cZ mtePP Av'e iYv Kti
Ber_Z et'MxZ wjB nlqv Bmjvgx kixqtZi
ZwM| Gi wecixZ tKvb AvPiY wjB nlqv
BnKvjxb jvAv I ciKvjxb KtVvi km'li KviY ntZ
cvti|